my city

देहरादून | बृहस्पतिवार • 09.05.2024

अमर उजाला

02

amarujala.com/dehradun

यूटीयू ने पॉलिटेक्निक में खोला कैंपस, बीटेक में होंगे प्रवेश

गवर्नमेंट इंटीग्रेटेड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी नरेंद्रनगर होगा संस्थान का नाम

अंकित गर्ग

शासनादेश जारी होने के बाद उत्तराखंड तकनीकी विवि की कार्य परिषद से भी मिला अनुमोदन

> गवर्नमेंट इंटीग्रेटेड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी नरेंद्रनगर को विवि के कैंपस संस्थान के रूप में संचालित किया जाएगा। फिलहाल दो ब्रांच में 90 सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे। पदों का सृजन होते हुए डायरेक्टर एवं फैकल्टी आदि की नियुक्ति कर दी जाएगी। - **डॉ. ओंकार सिंह,** कुलपति यूटीयू

देहरादून। उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) राजकीय पॉलिटेक्निक नरेंद्रनगर में कैंपस संस्थान के रूप में इंजीनियरिंग कॉलेज का संचालन करेगा। शासन की ओर से नए परिसर का नाम गवर्नमेंट इंटीग्रेटेड इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी नरेंद्र नगर रखा गया है। जिसमें छात्रों को बीटेक की दो ब्रांच में 90 सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे।

शासनादेश जारी होने के बाद अब विवि की कार्य परिषद की ओर से इसका अनुमोदन किए जाने से नए सत्र में प्रवेश का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, अभी पदों के सृजन और नियुक्तियों की प्रक्रिया बाकी है। विवि प्रशासन का कहना है कि शासन से पदों का सृजन होते ही नियुक्तियां कर ली जाएंगी।

राजकीय पॉलिटेक्निक नरेंद्रनगर की ओर से लंबे समय अपने यहां बीटेक की मान्यता के लिए प्रयास किए जा रहे थे। संस्थान ने एआईसीटीई (ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन) में आवेदन करने के बाद अप्रूवल भी हासिल कर ली थी। इस अप्रूवल के बाद संस्थान ने जब उत्तराखंड तकनीकी विवि से मान्यता के लिए आवेदन किया तो तकनीकी पेंच फंस गया।

विवि प्रशासन ने डिप्लोमा स्तर के संस्थान में डिग्री पाठ्यक्रमों के संचालन पर सवाल उठाए। बताया गया कि तकनीक कारणों और एआईसीटीई के मानकों का पूरी तरह पालन नहीं हो पाने के कारण पॉलिटेक्निक में बीटेक कक्षाओं के संचालन को अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके बाद विवि ने बीच का रास्ता निकालते हुए कैंपस संस्थान का सुझाव दिया। इस पर शासन में भी सहमति बन गई। विवि की कार्य परिषद ने भी परिसर के संचालन पर सहमति व्यक्त करते हुए अनुमोदन प्रदान कर दिया।

अब नए सत्र से इस परिसर में कंप्यूटर साइंस की ब्रांच में 60 और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग ब्रांच में 30 सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे। संवाद

डिग्री स्तर के अनुरूप होगा संचालन

विवि कुलपति डॉ. ओंकार सिंह ने बताया कि विवि परिसर का संचालन डिग्री स्तर के एआईसीटीई और यूजीसी के मानकों के अनुरूप होगा। संस्थान में नियमानुसार निदेशक की नियुक्ति की जाएगी। साथ ही शार्ट टर्म एंगेजमेंट के तहत 57700 के स्केल पर असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति की जाएगी। पिछले साल विवि ने अपने परिसरों के लिए 65 असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति की थी। इस बार एक परिसर बढ़ने से नियुक्त होने वाली फैकल्टी की संख्या में भी इजाफा हो जाएगा। माना जा रहा है कि विवि आचार संहिता समाप्त होने के तुरंत बाद फैकल्टी के चयन को लेकर विज्ञापन जारी कर देगा।